॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥ ॥ श्री गौतमस्वामिने नमः ॥

\* दिव्य कृपा \*

प.प. आचार्य श्रीमद्भिजय लब्धिचन्द्रसरीश्वरजी म.सा.

॥ श्री वांछितपूर्ण पार्श्वनाथाय नमः ॥ ॥ श्री राजेन्द्रसूरि गुरूभ्यो नमः ॥

रमणीय राजस्थान की धन्य धरा पर धर्मनगरी रेवतड़ा मध्ये श्री आदिनाथ आदि जिनबिम्बों की भल्यातिभल्य प्रतिष्ठांजनशलाका दशाह्निका महामहोत्सवे समस्त विश्व के जिनोपासक प्रभू भक्तों को

## आत्मीय आमंत्रण

🔖 दिव्य आशीष प्रदाता \* विश्वपुज्य, प्रातः स्मरणीय, अभिधान राजेन्द्रकोष निर्माता, कलिकाल कल्पतरु प.पू. आचार्यदेव श्रीमद्भिजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.

अ पावनकारी निश्रा अ

पुण्यसम्राट् प.पू. आचार्य श्रीमद्धिजय जयन्तसेनस्रीश्वरजी म.सा. के वर्तमान पट्टार सुविशाल गच्छाधिपति, धर्मीदेवाकर प.पू. आचार्य श्रीमद्भिजय नित्यसेनसुरीश्वरजी म.सा. भाण्डवपुर तीर्थोध्दारक प.प. आचार्य श्रीमद्भिजय जयरत्नसरीश्वरजी म.सा.

\* दिव्य कृपा \* सुविशाल गच्छाधिपति पुण्यसमार् प.पू. आचार्य श्रीमद्विजय जयन्तरोनस्रीश्वरजी म.सा.

. esserves. - 12 Diche. . والمحكمة . ....QC2... पोष सदी १२ पोष सदी १३ पोष सुदी १४ महा वदि (द्वितीय) ४ JANUARY IANUARY दशाह्निका प्रभजी की नतन पंचकल्याणक प्रतिमा एवं महोत्सव प्रारंभ प्रारंभ गुरु भगवंतों का रथयात्रा भव्यातिभव्य नगर

..... महा तटि ६

महा वटि ५

महामंगलकारी भव्य प्रतिष्ठा

मंगलमय द्वारोद्घाटन